

Kshama Yachna Mantra | क्षमा प्रार्थना मंत्र संस्कृत पाठ

मूल संस्कृत श्लोक

आवाहनं न जानामि, न जानामि विसर्जनम्।
पूजां चैव न जानामि, क्षमस्व परमेश्वरि ॥
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं, भक्तिहीनं सुरेश्वरि।
यत्पूजितं मया देवि, परिपूर्णं तदस्तु मे ॥
अपराध सहस्राणि, क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा, क्षमस्व परमेश्वरि ॥

Kshama Yachna Mantra In Hindi — शब्द-अर्थ और अनुवाद

सरल हिंदी अर्थ — श्लोक १

"हे परमेश्वरी! मैं न तो आपको आह्वान करना जानता हूँ, न ही विसर्जन करना जानता हूँ। मुझे पूजा की विधि भी ठीक से ज्ञात नहीं है। इसलिए हे देवी, मुझे क्षमा करें।"

सरल हिंदी अर्थ — श्लोक २

"हे देवी! मैंने जो पूजा की, वह मंत्रहीन थी, विधिहीन थी, और भक्तिहीन भी थी। फिर भी हे सुरेश्वरी, जो कुछ मैंने आपको समर्पित किया, वह सब आपकी कृपा से पूर्ण हो जाए।"

सरल हिंदी अर्थ — श्लोक ३

"हे परमेश्वरी! मैं दिन-रात हजारों अपराध करता रहता हूँ। परंतु हे माँ, मुझे अपना दास मानकर मुझे क्षमा करें।"

Complete Kshama Yachna Mantra | संपूर्ण क्षमा याचना मंत्र संस्कृत में

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वरि ॥१॥

हिंदी अर्थ:

मैं हर रोज़ हजारों अपराध करता हूँ।
हे परमेश्वर, मुझे अपना सेवक मानकर क्षमा कर दीजिए।

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम्।
पूजां चैव न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरि ॥२॥

हिंदी अर्थ:

मुझे आवाहन करना नहीं आता, मुझे विसर्जन करना नहीं आता।
मुझे तो पूजा करना भी नहीं आता, हे परमेश्वर, मुझे क्षमा करें।

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वरि।
यत्पूजितं मया देवि परिपूर्णं तदस्तु मे ॥३॥

हिंदी अर्थ:

बिना मंत्रों के, बिना कर्म के, बिना भक्ति के, हे देवों की देवी।
हे देवी, मैंने जो भी पूजा की है, वह मुझमें पूरी हो।

अपराधशतं कृत्वा जगदम्बेति चोच्चरेत्।
यां गतिं समवाप्नोति न तां ब्रह्मादयः सुराः ॥४॥

हिंदी अर्थ:

सौ अपराध करने के बाद भी, मनुष्य को 'हे जगज्जननी' का जाप करना चाहिए।
वह जिस अवस्था को प्राप्त करता है, उसे ब्रह्मा जैसे देवता भी प्राप्त नहीं कर पाते।

सापराधोऽस्मि शरणं प्राप्तस्त्वां जगदम्बिके।
इदानीमनुकम्प्योऽहं यथेच्छसि तथा कुरू ॥५॥

हिंदी अर्थ:

हे जगज्जननी, मैंने निर्दोष भाव से तुम्हारी शरण ली है।
अब मैं तुम्हारी दया पर हूँ, जैसा चाहो वैसा करो।

अज्ञानाद्विस्मृतेभ्रान्त्या यन्नूनमधिकं कृतम्।
तत्सर्वं क्षम्यतां देवि प्रसीद परमेश्वरि ॥६॥

हिंदी अर्थ:

जो अज्ञान, विस्मृति और भ्रम के कारण कम और ज़्यादा हुआ है।
हे देवी, उन सबको माफ़ कर दो, हे परमपिता परमेश्वर, दया करो।

कामेश्वरि जगन्मातः सच्चिदानन्दविग्रहे।
गृहाणार्चामिमां प्रीत्या प्रसीद परमेश्वरि ॥७॥ पाप मुक्ति अनुष्ठान

हिंदी अर्थ:

हे कामनाओं के स्वामी, हे ब्रह्मांड की जननी, जो सत्य और आनंद के स्वरूप हैं।
इस पूजा को प्रेमपूर्वक स्वीकार करें और कृपा करें, हे परमेश्वर।

गुह्यातिगुह्यगोप्ली त्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम्।
सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसादात्सुरेश्वरि ॥८॥

हिंदी अर्थ:

हे रहस्यों और परम रहस्यों की रक्षक, हमारे द्वारा किए गए इस जप को स्वीकार करो।
हे देवी, हे देवताओं के स्वामी, तुम्हारी कृपा से मैं पूर्णता को प्राप्त करूँ।

प्रसीद भगवत्यम्ब प्रसीद भक्तवत्सले।
प्रसादं कुरु मे देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते ॥९॥

हिंदी अर्थ:

दया करो, हे देवी, दया करो, हे करुणा की मूर्ति।
मुझ पर दया करो, हे देवी, हे दुर्गा; हे देवी, मैं तुम्हें प्रणाम करता हूँ।